भारत निर्वाचन आयोग
निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली – **110001**

<u>प्रेस नोट</u>

सं. ईसीआई/प्रेस नोट/**12/2017** दिनांक: **25** जनवरी, 2017

विषय: महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने वर्ष 2017 के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पद्धतियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा "युवा एवं भावी मतदाताओं का सशक्तिकरण" थीम के साथ 7वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया।

भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में लोक सभा एवं राज्य विधान सभाओं के निर्वाचन साथ-साथ कराए जाने के बारे में कुछ चर्चा हो रही है। यदि निर्वाचन आयोग पहल करे और राजनीतिक दलों द्वारा सहमति बनती है तो सुधार संभव है। उन्होंने कहा ऐसी पहल व्यय एवं प्रबंधन के संबंध में असुविधा को कम कर सकती है। राष्ट्रपति जी ने यह **25** जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में **7**वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाषण के दौरान कहा।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर निर्वाचन आयोग के सदस्यों के साथ भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी

यह उल्लेख करते हुए कि पिछले साधारण निर्वाचन **2014** में **834** मिलियन के कुल निर्वाचक मंडल में से **66**% से अधिक ने मतदान किया, इस विशाल कार्य के सफलतापूर्वक संचालन पर राष्ट्रपति जी ने निर्वाचन आयोग को बधाई दी। उन्होंने भारतीय मतदाताओं को परिपक्वतापूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए भी बधाई दी।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को बेहिचक समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि वे युवा जनों को मतदान के उनके मूल लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि निर्वाचन आयोग को एक स्वंतत्र एवं सक्षम संस्थान होना चाहिए। विगत वर्षो में भारत निर्वाचन आयोग ने इसे सिद्ध कर दिया है तथा पूरे विश्व में इसकी प्रशंसा की जाती है।

राष्ट्रपति जी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि निर्वाचन आयोग अपने वर्तमान मानदण्डों को बनाए रख सकता है तथा इसमें सुधार एवं विकास कर सकता है। निर्वाचन आयोग ने भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला को

मजबूत करने में अद्वितीय योगदान दिया है। हम इस तथ्य पर औचित्यपूर्ण गर्व कर सकते हैं कि हम विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं।

अपने सम्बोधन में, माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) डॉ. नसीम जैदी ने कहा कि निर्वाचन आयोग वर्ष 2017 एवं इसके बाद सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत भावी मतदाताओं पर विशेष ध्यान केन्द्रित करेगा। डॉ. जैदी ने आशा व्यक्त की कि पहली बार भावी-मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। भारत में 62 मिलियन से अधिक व्यक्ति 15 से 17 वर्ष के आयु समूह में आते हैं तथा इन्हें भावी मतदाता कहा गया है। डॉ. जैदी ने कहा प्रत्येक वर्ष, भावी मतदाताओं में से 20 मिलियन व्यक्ति 18 वर्ष होने पर पहली बार मतदाता बनते हैं।

भावी मतदाताओं को फोकस ग्रुप मानते हुए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त महोदय ने कहा कि आयोग ने इस माह "विद्यालय संवाद कार्यक्रम" नामक एक अनुपम कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। आज तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत समूचे देश से 11,000 विद्यालयों तथा 23 लाख विद्यार्थियों को कवर किया गया है।

मंच पर निर्वाचन आयोग के सदस्यों तथा नव पंजीकृत एवं भावी निर्वाचकों के साथ भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी

2016 के दौरान आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहल का उल्लेख करते हुए डॉ. जैदी ने कहा कि आयोग ने सभी लम्बित निर्वाचन सुधार प्रस्तावों के सार संग्रह को पब्लिक डोमेन में लाकर दीर्घ लम्बित निर्वाचन सुधारों के इस मुद्दे को सार्वजनिक एवं राजनीतिक परिचर्चा में ला दिया है। पहली बार मतदाता शिक्षा पर व्यापक सम्मेलन का आयोजन किया गया जहां मतदाता शिक्षा पर नई दिल्ली घोषणा-पत्र एवं मतदाता सूचना संचार व एजुकेशन नेट या VOICE. Net का शुभारंभ किया गया।

डॉ. जैदी ने युवा तथा भावी मतदाताओं एवं अन्य संगठनों को बधाई दी जिन्हें 2016 में निर्वाचनों में उत्कृष्ट तथा सफल प्रबंधन एवं योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग के विधिक सलाहकार श्री एस.के. मेंदीरत्ता के विशेष योगदान का भी उल्लेख किया जिन्होंने आयोग को 53 वर्ष से अधिक की विशिष्ट सेवा प्रदान की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त महोदय ने यह भी कहा कि इस वर्ष आयोग ने शीर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के उन चार प्रोफेसरों के मानद कार्य को भी सम्मानित किया है जो आयोग के साथ 'तकनीकी मूल्यांकन समिति' के बैनर तले कार्य करते रहे हैं।

इस अवसर पर, राष्ट्रपति जी ने पांच नए युवा मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) प्रदान किए तथा छः भावी मतदाताओं का अभिनन्दन किया। राष्ट्रपति महोदय ने वर्ष 2016 के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पद्तियों के लिए 12 अधिकारियों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, विशेष श्रेणी के

अंतर्गत सर्वोत्तम राज्य, राष्ट्रीय सीएसओ पुरस्कार, सरकारी विभाग के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार तथा राष्ट्रीय मीडिया पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त महोदय ने ''अनफोल्डिंग इण्डियन इलेक्शन्स-जर्नी ऑफ लिविंग डेमोक्रेसी'' नामक पुस्तक का विमोचन किया तथा राष्ट्रपति जी को इसकी प्रथम प्रति प्रस्तुत की। इस पुस्तक को भारत निर्वाचन आयोग तथा प्रकाशन प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया गया है।

निर्वाचन आयुक्त, श्री ए.के.जोति ने राष्ट्रीय पुरस्कारों के बारे में परिचय दिया जो निर्वाचनों के संचालन के विभिन्न पहलुओं जैसे निर्वाचक नामावली प्रबंधन, आईटी पहल, सुरक्षा प्रबंधन आदि में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किए गए।

निर्वाचन आयुक्त, श्री ओ.पी. रावत ने अपने स्वागत सम्बोधन में लोकतंत्र को और अधिक सशक्त करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसकी स्थापना से ही किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

उप निर्वाचन आयुक्त, श्री उमेश सिन्हा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया तथा उपस्थित व्यक्तियों एवं समूचे देश को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पुन: बधाई दी।

निर्वाचन आयुक्त श्री ए.के. जोति तथा निर्वाचन आयुक्त श्री ओ.पी. रावत, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों, 15 निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रमुखों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्तर के इस समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी)

25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया गया। इस वर्ष 7वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया जिसका थीम था ''युवा तथा भावी मतदाताओं का सशक्तिकरण''। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का लक्ष्य मतदाताओं विशेषकर नए पात्र युवा मतदाताओं (18-19 वर्ष) के पंजीकरण को बढ़ाना और सभी के लिए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को सुनिश्चित करना है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस वर्ष 2011 से 25 जनवरी, भारत निर्वाचन आयोग का स्थापना दिवस (25 जनवरी, 1950), को मनाया जा रहा है।

धीरेन्द्र ओझा
निदेशक